समान आशयवाली पंक्तियां चुनकर लिखें।

1. सत्य का पक्ष टूटे हुए पहियों का सहारा ले सकता है।

(सच्चाई टूटे . . . . . आश्रय लें!)

2. भले ह मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हुँ किंतु मुझे बेकार समझकर मत छोडो।

(मैं रथ . . . . . फेंको मत !)

3. इतिहास की गति झूठे मार्ग पर चलने लगती है। (इतिहासों की . . . . . पड जाने पर)

4. अभिमन्यु मेरे सहारे ब्रह्मास्त्रों का सामना कर पाएगा।

(उसके हाथों . . . . . ले सकता हूँ !)

5. अकेले पडे निरायुध के शब्द को भी अपने अधिकार के ज़ररए मिटा देना चाहेंगे।

(अकेल निहत्थी . . . . . कुचल देना चाहें)

6. चतुरंगिणी सेनाओं को ललकार देते हुए कोई अभिमन्यु जैसे साहसी आकर फंस जाएगा।

(अक्षौहिणी सेनाओं . . . . . घिर जाए

1. कई दिनों के बाद घर में अनाज आया।

दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद

2. घर में खाना पकाए कई दिन हुए।

कई दिनों दनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास

3. कई दिनों के बाद आँगन के ऊपर धुआँ उठा।

धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद

4. भूख मिटाने के लिए कुछ मिलने की तलाश में छिपकलियों दिवार पर इधर- उधर घूम रह थीं।

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त

1. क्या यहाँ बच्चों को खेलने के लिए खिलौने नहीं हैं?

(क्या काले पहाड. . . . . सारे खिलौने)

2. क्या सभी स्कूलों के मकान भूकंप में खराब हो गए हैं?

(क्या किसी भूकंप. . . . . मदरसों की इमारतें)

3. क्या यहाँ बच्चों को पढने के लिए किताबें नहीं हैं?

(क्या दीमकों ने. . . . . किताबों को)

4. ठंड के मौसम में बडे सबेरे बच्चे काम पर जा रहे हैं।

(कोहरे से ढकी. . . . . काम पर जा रहे हैं)

5. इस समस्या को विवरण की तरह नहीं प्रश्न जैसा लिखना चाहिए।

(भयानक है इसे. . . . . सवाल की तरह)

6. इस संसार में बच्चों के लिए कुछ भी बचा नहीं।

(तो किर. . . . . इस दुनिया में?

मतलब क्या है?

- शर्मिंदा महसूस करना - लज्जित होना/ अपमानित होना
- नज़र मिलाना - मुँह की ओर देखना
- बहुत सारा पानी उनमें बचा हुआ था। वे खेतों, जंगलों के ऊपर छाए हुए थे। - आगे भी वर्ष होगा
- लोहा लेना- सामना करना
- घिर जाना- फंस जाना
- कुचल देना- शत्रुका सर्वनाश कर देना
- आश्रय लेना- सहारा लेना
- खिल जाना- प्रसन्न होना
- दवा करना- चिकित्सा करना
- नकल करना- अनुकरण करना
- वाहवाह करना- प्रशंसा करना इशारा करना- संकेत करना
- हैरान रह जाना- आश्चर्य हो जाना
- दिल जीत लेना- आकर्षित करना

- इलज़ाम करना– दोष लगाना
- नकल उतारना– अनुकरण करना
- तब्दील हो जाना– बदल जाना/ परिवर्तित होना
- तारिफ करना– प्रशंसा करना/ अभिनंदन करना
- पैसों की बौछार शुर हो गई – पैसों की वर्ष होने लगी
- गुदगुदी फैलाना – उल्लासित करना
- जन्म लेना – पैदा होना
- मुँह सीधा न होना – प्रसन्नता का भाव न होना
- एक से एक छंटे - सबसे बरु
- कंधा देना - सहायता करना
- मौके का इंतज़ार करना – अवसर की प्रतीक्षा करना
- पानी की खराबी जाती रहती है - पानी शुद्ध हो जाती है
- बौराना – उन्मत्त करना
- पौ फटना – प्रभात होना
- मुँह उतर गया – उदास हो गई
- तपाक से – जल्दी जी भर के जी लेना – खुशी से जीना
- सब कुछ कितना ऊँटपटाँग है – यहाँ सारी बातें निरर्थक चल रही है।
- मस्ती करना – मज़ा लेना